कार्यवाही विवरण

मेसर्स हिन्द एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन (इण्डिया) लिमिटेड, ग्राम–बलौदा, तहसील–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा में प्रस्तावित कोल वॉशरी क्षमता–0.96 मिलियन टन/वर्ष की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति बावत् दिनांक 21/10/2016 को समय प्रातः 11.00 बजे स्थान–ग्राम–बलौदा के समीप कृषक सलाह केन्द्र, चारपारा के शासकीय मैदान, जिला–जांजगीर–चांपा में आयोजित लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण।

भारत शासन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 के अंतर्गत **मेसर्स हिन्द एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन (इण्डिया) लिमिटेड, ग्राम–बलौदा, तहसील–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा में प्रस्तावित कोल वॉशरी क्षमता–0.96 मिलियन टन/वर्ष की स्थापना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति** के संबंध में लोक सुनवाई हेतु उद्योग के आवेदन के परिपेक्ष्य में समाचार पत्रों दैनिक भास्कर, रायपुर दिनांक 15.09.2016 एवं द इंडियन एक्सप्रेस, नई दिल्ली दिनांक 15.09.2016 में लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। तद्नुसार लोक सुनवाई दिनांक 21.10.2016 दिन शुक्रवार को समय प्रातः 11:00 बजे, अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जांजगीर–चांपा की अध्यक्षता में **ग्राम–बलौदा के समीप कृषक सलाह केन्द्र, चारपारा के शासकीय मैदान, जिला–जांजगीर–चांपा** में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट एवं कार्यपालक सार की प्रति एवं इसकी सी.डी. जन सामान्य के अवलोकन हेतु कार्यालय कलेक्टर जांजगीर–चांपा, जिला पंचायत कार्यालय–जांजगीर–चांपा, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र–जांजगीर–चांपा, क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़, पर्यावरण संरक्षण मंडल बिलासपुर, कार्यालय नगर पंचायत बलौदा, कार्यालय ग्राम पंचायत चारपारा, कार्यालय ग्राम पंचायत भिलाई, कार्यालय ग्राम पंचायत नवापारा, कार्यालय ग्राम पंचायत बछौद, कार्यालय ग्राम पंचायत महुदा, जिला–जांजगीर–चांपा (छ.ग.), डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोरबाग रोड, नई दिल्ली, मुख्य वन संरक्षक, क्षेत्रीय कार्यालय (डब्ल्यू.सी.जेड.) पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, ग्राउण्ड फ्लोर, ईस्ट विन्ग, न्यू सेक्रेटरियेट बिल्डिंग, सिविल लाईन्स, नागपुर (महाराष्ट्र), मुख्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नया रायपुर (छ.ग.) में रखी गई थी। उक्त परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, व्यापार विहार, जिला–बिलासपुर में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया था। लोक सुनवाई की निर्धारित तिथि तक क्षेत्रीय कार्यालय, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के

पास, व्यापार विहार, जिला–बिलासपुर में प्रस्तावित कोल वॉशरी परियोजना के संबंध में लिखित में 214 सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां प्राप्त हुई।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि दिनांक 21.10.2016 दिन शुक्रवार समय प्रातः 11:00 बजे अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी, जांजगीर–चांपा की अध्यक्षता में **ग्राम–बलौदा के समीप कृषक सलाह केन्द्र, चारपारा के शासकीय मैदान, जिला–जांजगीर– चांपा** में लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्री डी. के. सिंह, अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी, जांजगीर–चांपा द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ डॉ. अनीता सावंत, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रतिनिधि द्वारा परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी गई।

इसके पश्चात् अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी, जांजगीर–चांपा द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को प्रस्तावित कोल वॉशरी के संबंध में अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों द्वारा मौखिक रूप से निम्नानुसार सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां दर्ज कराई है :–

1. **श्री शिवचंद्र पटेल, जनपद सदस्य प्रतिनिधि, ग्राम–नवापारा (ब)** :– आज हमारे जांजगीर जिला में कोल वॉशरी प्रस्तावित है और हमारे बलौदा ब्लॉक के अंतर्गत है। प्रस्तावित कोल वॉशरी एच.ई.सी.बी.एल की आज जनसुनवाई है। जिसमें सभी हमारे ग्रामवासी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित हैं। बड़े हर्ष की बात है कि प्रस्तावित कोल वॉशरी खुलना चाहिए। हमारे जो बेरोजगार युवा हैं उसको रोजगार मिले और रोड में जल छिड़काव और पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम के लिए वृक्षारोपण लगवाये। यह हमारी सहमति है।

2. **श्री संतोष कुमार पटेल, ग्राम चारपारा :–** अपने यहां जो कोल वॉशरी की जनसुनवाई हो रही है बड़ी खुशी की बात है। हमारे बलौदा में लगे प्लांट में हमारे कुछ बेरोजगार वहां काम कर रहे है और प्लांट लगते है तो मैं कंपनी के अधिकारियों से निवेदन करता हूं कि वहां पर बेरोजगार बच्चों को काम पर लिया जाये और पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए वृक्ष लगाये, एवं प्रदूषण न फैले और वृक्षारोपण करके प्लांट की स्थापना करें बलौदा में प्लांट लगायें, जिससे बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा और बेरोजगारी दूर होगी। सभी बेरोजगारों को प्लांट में योग्यतानुसार काम पर रखा जाये और प्लांट लगने से मैं उसका समर्थन करता हूं।

3. **श्री मोहनलाल पटेल, पंच, ग्राम पंचायत–चारपारा :–** मेसर्स हिन्द इनर्जी जो प्लांट कोलवॉशरी बलौदा में खुलने जा रहा है जिसकी क्षमता–0.96 एम.टी. का उनमें हम ग्राम पंचायत की ओर से हम सभी समर्थन देते हैं। क्योंकि हमारे गांव के कई लोग बेरोजगार वहां काम कर रहे हैं पहले से और काम भी दिये जा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण कार्यालय, बिलासपुर से अनुरोध करूंगा कि वे पर्यावरण संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए वृक्षारोपण भी करवायेंगे और बेरोजगार लोगों को रोजगार दिलायेंगे वॉशरी वाले हमारे उसके लिए हम सभी ग्राम पंचायत चारपारा की ओर से समर्थन व्यक्त करते हैं। विकास कार्य के लिए सहयोग देने की कृपा करेंगे और इसमें जो भी वॉशरी के अधिकारी और कर्मचारी सहयोग दे रहे हैं उनका मैं बहुत आभारी हूं।

4. **श्री रामसिंह कंवर, अध्यक्ष, शाला विकास समिति, ग्राम–चारपारा :–** ग्राम चारपारा में दिनांक 21.10.2016 को जनसुनवाई पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु रखी गई है। इसमें शिक्षा समिति की पूर्ण सहमति है। क्योकि जनसुनवाई के बाद प्लांट स्थापित होगा, गांव के लोगों को रोजगार मिलेगा, आय का स्त्रोत बढ़ेगा, तो लोग–बच्चों को अच्छी शिक्षा दे पायेंगे। मैं हिन्द इनर्जी के प्रबंधन एवं अधिकारियों को धन्यवाद देता हूॅ जो नगर पंचायत बलौदा में प्लांट स्थापित कर हमारे ग्राम चारपारा के शिक्षित लोगों को रोजगार प्रदान करेंगे।

5. **श्री रवि कुमार पटेल, ग्राम–चारपारा** :– जन सुनवाई ग्राम पंचायत में आज दिनांक 21.10.2016 को रखा गया है। अधिकतर प्लांटो में देखा जाता है कि बेराजगारो से कई तरीके से काम करवा लिया जाता है कंपनी से रिक्वेस्ट है कि यहां जितने भी लोग बेरोजगार है उनको रोजगार दिलाया जाये और उन लोगों को सही रेट दिया जाये। जिसकी जैसी योग्यता है उनके आधार पर उन लोगों को काम दिया जाये। भारत में कई कंपनिया है जिसमे विदेश के लोग आकर काम करते है और यहां के निवासी हो जाते है। हमारे बलौदा ब्लॉक की कंपनी में ऐसा नहीं होना चाहिए। जो यहां के निवासी है उन लोगों को काम में लिया जाये। उनके परिवारिक परिस्थितियां है वो भी बदले ताकि लोगों को अच्छी शिक्षा मिल सकें।

6. **श्री सुमंन्दा रेड्डी** :–मैं प्रबंधन का समर्थन करता हूॅ। औद्योगिक विकास का समर्थन करता हूॅ। क्योकि भारत में 18 से 45 वर्ष के आयु समूहो के बीच 5 करोड लोग रोजगार के अवसर के लिए इंतजार कर रहा है। लिखे हुये को पढकर सुनाया गया।

7. **श्री रघु कश्यप, ग्राम–रामपुर :–**आज जन सुनवाई चारपारा स्थल में रखा गया है। मै बताना चाह रहा हूॅ कि आज के पहले और कई कोल वॉशरी लग चुके है हमारे क्षेत्र में। लेकिन पर्यावरण के नाम पर जो बायपास रोड निकला है वो कोयले के परिवहन से धान के फसल पर जाकर तुम लोग देखो बुरा असर हो रहा है आसपास के धान के फसल को, गांव के आदमी को आज इतना धुल धक्का का सामना करना पड रहा है। मेरे कहने का मतलब इतना है कि मै विरोध करना नहीं चाह रहा हूॅ। आप इस प्रबंधन को तैयार कर रहे हो तो इसकी समुचित व्यवस्था, देख–रेख की व्यवस्था, साफ–सफाई की व्यवस्था, वायु प्रदूषण नहीं होना चाहिए। अच्छी रोड़ की व्यवस्था होना चाहिए जो किसान को सुविधा मिल सके। तब ये जन सुनवाई का कोई मतलब है।

8. **श्री टेकराम पटेल, ग्राम–चारापारा** :– हम ग्राम पंचायत चारपारा एवं स्वयं अपनी बात रखना चाहता हूं। हम आप से अपेक्षित है हम विरोध नहीं कर रहे है समर्थन में है। यहां रोज सैकडो गाडिया चलती है धूल धक्कड होती हैं। सुबह शाम पानी डालने की व्यवस्था, पक्की सड़क, बेरोजगारो को रोजगार, पर्यावरण से संबंधित जो भी कार्यक्रम है जैसे–वृक्षारोपण, उचित व्यवस्था, हमारे ग्राम विकास के लिए राशि स्वीकृत करें। यहां पर आयोजित गौदान, मुक्तिधाम, सामुदायिक भवन, मुक्तिधाम के अहाता के लिए हमारे ग्राम पंचायत चारपारा को कुछ सहयोग प्रदान करने की कृपा करें। हम सब कोई भी कोल वॉशरी की बात नहीं कर रहे है। जब भी कहीं कोई संयंत्र खुलता है तो वहां के बेरोजगारो को वहां लाभ मिलता है। हमारे ग्राम पंचायत के आसपास के लोगो को, शायद यहां पर कुछ लोग यहां पर है शायद यहां से काम करने के लिए जाते है। अभी यहां जैसे सीपत, मडवा तेंदूभाठा पर काम करने जाते है। जहां पर औद्योगिकरण की बात आती है तो वहां पर रोजगार तो मिलता ही है और विकास होता है। हम पूर्ण रूप से इनका समर्थन करते है।

9. **श्री शैलेन्द्र पाण्डेय, भारतीय मजदूर संघ अध्यक्ष, ग्राम–सिवनी नैला, :–** ये वॉशरी का जन सुनवाई है। हिन्द एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन, नाम भी बडा है इनका, जैसा नाम है वैसा

काम है। इनका पर्यावरण संबंध में जन सुनवाई हो रहा है। इनकी ताकत को मै आते साथ पहचान गया हूं जितनी जनता नही उतनी पुलिस की व्यवस्था है। जनता लाख समर्थन करे या विरोध करे। ये पर्यावरण एनओसी आपको प्राप्त हो जायेगी इसमे कोई संदेह नहीं है। मै और भी जन सुनवाई में गया था भेलाई में हुआ था। भेलाई मे महावीर कोल वॉशरी का जनसुनवाई हुआ था मै वहां था। 99 प्रतिशत जनता उग्र हो गई थी उन्होंने पूरा विरोध किया मै कापी रखा हूॅ। ये हमको बेवकूफ बनाने बैठे है ये कापी है। लोगों को रोजगार मिलेगा, कितने लोगों को रोजगार मिलेगा। मै हिन्द कोल वॉशरी से संबंधित बात न करके महावीर कोल वॉशरी उस पार के बारे में थोडा बता दूं। महावीर कोल वॉशरी का एड आता है पेपर में, अखबार में कि विश्व पर्यावरण दिवस में भेलाई के आसपास के ग्रामो में वृक्षारोपण किया गया। एक भी कुछ नहीं लगाया गया कहीं पर। मित्रा साहब कंपनी के डायरेक्टर मालिक है अभी इनका भाषण हुआ कि हम विकास करेंगे रोड के आसपास वृक्ष लगायेंगे बहुत सारी बात हुई। मित्रा जी ने जो यहां पर घोषणा किया, वादा किया, उसकी एक कॉपी मेरे भाषण खत्म होने तक मुझको प्रदाय कर देंगे। इच्छा शक्ति है तो निश्चित लोगों को रोजगार मिलता है। वहां के गांव के तालाब का पानी इतना गंदा है कि नहाने में खुजलाता है जानवर मर रहे है प्लांट खुलता है तो इनके पास सीएसआर मद होता है क्षेत्र के विकास के लिए, नाली, बिजली, सड़क, पानी और स्कूल में बच्चो के लिए टेप नल, बिजली की व्यवस्था के लिए 10 प्रतिशत क्षेत्र में खर्च करना पडता है एक पैसा खर्च नहीं होता है। हमारी जनता इतनी सीधी है भोली भाली है जिसका नजायज फायदा कंपनी वाले उठाते है। पुलिस के जवान तैनात खडे हैं पोजीशन के साथ, कुछ भी हो तो डंडा चलाओ। क्यो ऐसा दिख रहा है ? कि नहीं बिल्कुल वैसी ही हो रहा हैं हम गांव वाले भोले भाले है गांव के नागरिक है। खाली हाथ आये है पानी पूछने वाला कोई नहीं है। बहुत समस्या है मै आपको बता दूं। हाथ हम लोग खुद अपना कटाते है, पंचायती राज का व्यवस्था हैं। छत्तीसगढ़ पंचायती अधिनियम 1993 की धारा 44 में मासिक बैठक का अधिकार है कि जो हम प्रस्ताव करेंगे धारा 44 के तहत् वो प्रभावशील होता है ग्रामसभा होती है लोगों को ग्रामसभा के मायने मालूम नहीं है। पंच–सरपंच अधिकांश लोगों को पंचायती धाराए ही मालूम नहीं है। छत्तीसगढ़ पंचायती अधिनियम 1993 की धारा की 6 में ग्राम सभा को सर्वोच्च अधिकार है ये प्लांट लगते ही क्यो हैं ? क्षेत्र में बहुत से लोग चिल्लाते है प्लांट लग रहा है, प्लांट लग गया, प्लांट लगाते है कौन आपको मालूम है हम पंचायत से ग्रामसभा से प्रस्ताव अनुमोदन करके देते है। कहीं न कहीं हमारा जन प्रतिनिधि बिक जाता है। प्रेम में बिके, दबाव में बिके, कहीं न कहीं हम बिक जाते है। वही पर्यावरण की एनओसी की बात हम तो बिक गये हैं भैया। हमारा हाथ–पांव कट गया पंचायत प्रस्ताव दिया तो ये प्लांट की नौबत आ गई है। ये नौबत आई गई आज ये नौबत क्यो आई हम लोगों ने लाया। हमने जगह दिया प्लांट लगाने के लिए, पंचायत से प्रस्ताव पारित करके दिया। छत्तीसगढ़ पंचायती अधिनियम 1993 की धारा 44 और छत्तीसगढ पंचायती अधिनियम धारा 6 में पारित कर दिये उसको काटने का अधिकार आम जनता को नही है। जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला दण्डाधिकारी को काटने का अधिकार है। हर जगह प्लांट लग रही है प्रस्ताव दे रहे है। एक कोल वॉशरी लग रहा है सिवनी में मेरे गांव में 100 एकड़ जमीन खोज रहा था वो 70 एकड़ पा गया। 32 एकड जमीन लेने नहीं दिये। पंचायत से प्रस्ताव नहीं मिलेगा। गांव में कोल वाशरी नहीं लगने दिया, नहीं लगा। वो 70 एकड़ जमीन पडा है गांव में। हाथ–पांव हमारा वही कट जाता है जहां हम प्रस्ताव दे देते है। हिन्द कोल वॉशरी के बारे में बता दू सर मै, हिन्द कोल वॉशरी इनका इतना अच्छा काम है। मै बहुत करीब से जनता हूं इनको हिन्द कोल वॉशरी लगी है इनकी। ये प्रभावित गांव को देते है भेलाई गांव इनके अंदर में नहीं आता। कई गांव को ग्राम पंचायत व नगर पंचायत को भी प्रस्ताव दिये थे कि आप लोगो के नगर पंचायत का विकास किया जायेगा। चारपारा के भाई बोल रहे थे कृपा करे। ये हमारा अधिकार है। हमारे क्षेत्र में पॉवर प्लांट लग रहे है। बिजली, पानी, सड़क, बच्चो की पढाई कई गरीब है कई बेरोजगार है उनको रोजी–रोजगार, कई निराश्रित है। कई लोग इलाज करा नहीं पा रहे है बेड में है। सारी जवाबदारी इनको, गोदनामा ले रहे है ये गांव को। इनका जो

घोषणा पत्र यहां बताया गया इसकी एक कॉपी मेरे को चाहिए। कॉपी हमारे पास रहेगी। तो डरने की क्या बात है। क्या हो रहा है इतना पुलिस आया है। मै बोला कोल वॉशरी का जनसुनवाई हैं जितना आदमी नहीं है। उतना पुलिस है। डरने की बात नहीं है पुलिस वाले भाई शांति व्यवस्था के लिए आये है। हम लोग छत्तीसगढ़ के लोग है शांत लोग है सर। ये निशिचित मान ले हम हिन्द कोल वॉशरी का समर्थन करते है। इनका मैं काम देखा हॅू। इसलिए मैं आज समर्थन करने को आया हूं। ये काम असली करते है। हम छत्तीसगढ के लोग प्लांट को उखाडने की ताकत रखते है। एक भी वादे से मुकर गये तो प्लांट की खैर नहीं। जनता के हित के लिए 100 बार जेल जाने के लिए तैयार हॅू। सडक, पानी, बिजली की व्यवस्था प्लांट को करना होगा। नहीं तो चक्का जाम कर दूंगा।

10. **श्री दुर्गेश स्वर्णकार, पार्षद वार्ड क्रमांक 07, नगर पंचायत बलौदा, सभापति लोकनिर्माण विभाग, भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला मंत्री :–** ये जो वाशरी है नगर पंचायत बलौदा के वार्ड नं. 5 में स्थापित होने जा रही है लेकिन जन सुनवाई ग्राम पंचायत चारपारा में हो रही है ये कैसी विडंबना है कि हमारे लिये नगर पंचायत बलौदा में स्थापित होने वाले इकाई की जनसुनवाई चारपारा में हो रही है जो इन्ही की समकक्ष एक इकाई क्लीन कोल वाशरी के नाम से स्थापित है। वहां आज तक किसी भी वाशरी के अधिकारियों द्वारा नगर पंचायत को किसी भी प्रकार का सहयोग प्राप्त नहीं हुआ। लालच जरूर देते हैं कि हम ग्राम को गोद लेंगे, आसपास के ग्राम पंचायतों को गोद लेंगे, वहां शिक्षा मुहैया करायेंगे, स्वास्थ्य की उपलब्धता करायेंगे अनेक प्रकार के भांति–भांति की लालच देते है लेकिन यह अपने जो कहे गये वादा है जो यह बोलते हैं उसमें खरा नहीं उतरते। दूसरी बात अभी जहां क्लीन कोल वाशरी लगी हुई है चिमनी तक नहीं लगा है उसमें उससे निकलने वाली जो धुआं है उससे यहां तरह–तरह की बिमारियां उत्पन्न हो रही है, फसले बर्बाद हो रही है। इसके लिए मैं आप सभी व एडीएम साहब को मैं आमंत्रित करना चाहता हूं कि बलौदा की बस्ती में, सभी के घरों में, छतों में जाकर देख सकते हैं इतनी मोटी काली परत सभी के घरो में बिछी हुई है। आज उसे साफ करते हैं तो कल सुबह पुनः उसमें काली परत जमी मिलती है। इससे क्या होगा, क्या उत्थान होगा क्या ? वो अपने वादे से क्यो मुकरते हैं, उन्हें अपने वादे पे कायम होना चाहिए एक स्थापित किये हैं उसी में बढ़ा रहें हैं। लोगों को क्यों बर्गलाते हैं और अभी मुझे भी बोला गया कि आप नगर पंचायत से सीएसआर मद से कार्य कराने के लिये काम दीजिए हम काम करवायेंगे। आज दो साल हो गये मुझे पार्षद रहते हुए दो साल में केवल एक बार 3 लाख रूपये की स्वीकृति दी हैं, 10 लाख की स्वीकृति हुई थी लेकिन दिया गया है 3 लाख रूपये बाकि का भगवान जाने कब आयेगा। मैं सभी नागरिक गणों से आह्वान करना चाहता हूं कि यह कोल वाशरी स्थापित हो रही है जो हमारे हित में नहीं है। इससे अनेको प्रकार की बीमारियां पशुओं में, खेतों में, हमारे फसलों में, तरह–तरह की। हम किसान लोग हैं छत्तीसगढ़ के हम गांव के लोग हैं यहां हम खेती किसानी करके जीने वाले लोग है कुछ नहीं जानते खेती किसानी जानते हैं हमारे खेतों को नुकसान होगा। हमारी धरती मईया को नुकसान होगा उससे बढ़कर हमारे लिये कुछ नहीं है। हमारा अन्न वहीं से आता है हमारा पेट वहीं से भरता है ये बोलते हैं कि आप लोगों के यहां स्थापित होगा तो लोगों को रोजगार मिलेगा। मैं पूछना चाहता हूं कि कितने लोगों को रोजगार दिये हैं। हम आये दिन बात करते है प्लांट प्रबंधन से कि यहां अपने बेरोजगार लोग हैं किसी को काम पे लगा दीजियें। कहते है कि देखते हैं, अभी तो आवश्यकता नहीं है, अभी मेरा वाशरी बंद है, अभी मेरा काम नहीं चल रहा है, जब एक वाशरी बंद है तो दूसरी वाशरी लगाने की क्या आवश्यकता पड़ गयी ? अरे एक ही वाशरी आपका बंद है उसमें लोगों को काम करने के लिए जगह नही है और वो भी बंद पड़ा है तो एक और वाशरी लगाने की क्या आवश्यकता क्यो पड़ रही है। मैं यह जानना चाहता हूं। मैं पर्यावरण अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूं कि जो पर्यावरण में जो नुकसान हो रहा है लोगों के क्षति हो रही है दमा, श्वांस रोग अनेक प्रकार की बिमारियां फैल रही है और फसलें नुकसान हो रही है, पशु फसल तो एक तरफ हम मानव लोग बीमार

पड़ रहे है, उत्सर्जित होने वाले धुएं से क्या होगा ? क्या हम जीवित रह पायेंगे ? इसी उद्योग के कारण मानव जाति की जो उम्र की सीमा 80 साल थी वो अब 60 साल रह गई है, और मैं तो कहता हूं कि जिस प्रकार से उद्योग हमारे आसपास हमारे नगर पंचायत में लग रहे है वो 60 साल क्या 40 साल भी नहीं रह जायेगी। अतः मैं यही कहना चाहता हूं कि इस कोल वॉशरी का समर्थन न करें। इसका समर्थन हम नहीं करते हैं, और मैं इस कोल वॉशरी का समर्थन नहीं करता हूं।

11. **श्री जगदीश जाटवर, ग्राम–बिरगहनी, बलौदा, किसान – कांग्रेस का ब्लॉक अध्यक्ष :–** मैं हिन्द इनर्जी कोल वॉशरी का पूर्ण रूप से समर्थन करता हूं। यहां के लोगों को रोजगार मिलना है। मेरे कहने से कोई मानेगा नहीं इसलिए मैं पूर्ण रूप से समर्थन करता हूं। अभी कई लोगों ने कहा है कि कोल वॉशरी, क्लीन कोल वॉशरी, महावीर इंटरप्राईजेस कोल वॉशरी और बिरगहनी के उस पार कोल वॉशरी खुला है। इसके बारे में क्या कहना चाहिए, जिसका मुखिया अंधा–बहरा हो उसके लिए क्या कहना, मुखिया को ही पता नही होगा कि छत्तीसगढ़ में इतना ज्यादा कोल वॉशरी प्लांट खुल चुका है। धान के कटोरा को राख और धुआं के कटोरा बना डाले हैं। मेरे कहने से मानेंगे क्या? मेरा पूर्ण समर्थन है। हमारे प्रतिनिधि यहां उपस्थित नहीं हैं, इनकी मानसिकता यह कि सांसद और विधायक को यहां उपस्थित होना चाहिए, उनको बोलना चाहिए, जो बात हम बोल रहे हैं वो हमारे सामने नहीं है। पर हमारे किसानों का कौन है? चिखला को खाते हैं और कम चिखला को पीते हैं। इतने में हमारा जीवन चल रहा है। कोल वॉशरी खुलेगा, लोक सुनवाई हो रहा है, कपड़ा साफ–सुथरा पहनकर आते हैं और घर जाते समय काला पड़ जायेगा ऐसा हमारे रोड की स्थिति है। सरकार नियम बनाती है कि कोल वॉशरी जहां खुलता है वहां के आसपास 10–12 कि.मी. क्षेत्र का पर्यावरण संरक्षित करना होता है। पर्यावरण की देखरेख करना होता है। कितने गांव का विकास किया, कितने गांव को पैसा दिया, कितने गांव का देख–रेख किया, रोड को कैसे बनाया आज बलौदा से बिरगहनी, कटरा, सिंघरीपारा, बलौदा से जहां पगडंडी का रास्ता था वहां 80 फीट का रास्ता हो गया। आज किसानो के खेत बंजर होते जा रहें है। कोयला के कारण तमाम धान गल जा रहा हैं। आज तो इसके विकास में हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन पर्यावरण संबंधी समस्याओं पर ध्यान दिया जाये। पर्यावरण अधिकारी को चाहिए कि किसानों के हित में जो काम हो, किसानों का विनाश न हो। कल्पना कीजिए कि बलौदा के बस्ती के अंदर छत में में 1 इंच धूल जम जाता है, जो रोड के दोनों तरफ हजारों हजार गड़ियां चलती हैं तो चारपारा, बछोद इनका क्या होगा। हमे कोई ऐतराज नहीं है कोलवॉशरी खुले, हमारे किसानों की देख–रेख हो, पर्यावरण की हमेशा सुरक्षा करना होगा नहीं तो हम किसान–कांग्रेस के तरफ से हम हमेशा विरोध करते रहेंगे और अपने अधिकार के लिए लड़ते रहेंगे। किसानो के हित में पर्यावरण की सुधार करें।

12. **श्री सुरेन्द्र कुमार सोनी, नगर पंचायत बलौदा :–** आज की जनसुनवाई में एक उद्योग लगाने के लिए बलौदा सहित आसपास के लोगों, जनता से अभिमत लिया जा रहा है, जिसमें लोगों के विचार उक्त उद्योग को स्थापित करने के लिए नहीं, परन्तु उद्योग स्थापित होने के बाद प्रभावित क्षेत्र के आम जनमानस को क्या परेशानी होगी इसके लिए पूरी तैयारी की जा रही है। उन्हें यह बताया जा रहा है कि उद्योग तो लग गये हैं अब उसके फायदे भी आप लोगों को समर्पित है। सिर्फ एक उद्योगपति जो बलौदा नगर में अपनी पूंजी को निवेश कर भूमि अधिग्रहित कर अपने परिवार के जीवकोपार्जन के लिए उद्योग स्थापित कर रहा है उसके लिए यहां पूरा सिस्टम शासन–प्रशासन, पर्यावरण विभाग और विभिन्न विभाग सिर्फ एक उद्यम के समर्थन में आज की तैयारी की गई है। वह सिर्फ अपने और अपने परिवार के जीवकोपार्जन के लिए यह उद्यम स्थापित कर रहा है। बलौदा सहित आसपास के हजारों लोगों के जीवन, सड़क, स्वास्थ्य और विकास को रौंदकर व्यवसाय चलाना चाहता है। आम लोगों के जीवन से उसे कोई लेना–देना नहीं है। आम जनता को इससे क्या फायदा होगा, यह जरूरी नहीं,

लेकिन नुकसान सौ प्रतिशत तय है। यह हम आप और सभी शासन प्रशासन के लोग जानते हैं। फिर भी आम जनता के विकास, जीवन, स्वास्थ्य और रोजगार की चिंता को छोड़कर पूरा प्रशासन एक व्यवसायी के व्यवसाय को स्थापित करने की तीमरदारी में लगा हुआ है। आज आप लोग यहां उपस्थित हुए हैं, हजारों लोगों के जीवन, रोजगार, विकास के निर्माता बन के आये हैं। इसका परिणाम हमें भुगतना है आज बलौदा के आबादी से मात्र 100 मीटर की दूरी पर चार कोल वॉशरी स्थापित किये जा चुके हैं। पांचवी की आज तैयारी की जा रही है, तैयारी क्या लग चुकी है। यह सिर्फ औपचारिकता ही रह गई है। इसका संचालन का समर्थन हो रहा है फायदा तो उद्योगों को हो रहा है यह निश्चित हैं। लेकिन आप जैसे निर्माता कभी घर देखने व पूछने नहीं आये कि इस क्षेत्र की जनता को यहां स्थापित उद्योगों से क्या नुकसान हो रहा है लाभ तो दूर की बात है। लेकिन नुकसान के बारे में हमेशा अप्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष रूप से आप लोगों को जानकारी होती है। लेकिन समाधान किसके हित में होता है यह सिर्फ आप लोगों से अच्छा कोई नहीं जान सकता। पानी का दोहन, रोजगार में छल, भूमि का दोहन, प्रदूषण बाते बहुत सी है, लेकिन आज की औपचारिकताएं सिर्फ यथार्थ है। यह मेरा अभिमत है कि नये उद्योग के लिए असहमति है, असमर्थन है। यह उद्योग हमारे लिए हितकारी नहीं है।

13. **श्री नवल किशोर सिंह, पूर्व सरपंच, ग्राम–बुड़गहन :–** समर्थन करना या विरोध करना, आज जिनके साथ प्रशासन का आशीर्वाद है उसके काम को कोई नहीं रोक सकता, हम तो किसान आदमी है हमारे बुड़गहन गांव से 2–3 हजार ट्रक–ट्रेलर गुजरते हैं हमारे रोड का सबसे छोटी गाड़ी हाईवा है, हरदीबाजार से बलौदा के बीच चारपारा ग्राम को अपना क्षेत्र मानते हैं। वॉशरी का विरोध वास्तव में होना चाहिए, लेकिन न्यायसंगत होना चाहिए। हम जो अपना जनप्रतिनिधि बनाते हैं चाहे गांव का सरपंच हो, क्षेत्र का जनपद सदस्य रहे, नगर पंचायत के अध्यक्ष रहे या विधायक रहे या सांसद रहे। इन लोगों को विधिवत् अच्छे तरीके से विरोध करना चाहिए, समर्थन करना चाहिए एवं जनहित में काम करना चाहिए। मैं जब सरपंच था तो हमारे गांव में कोल वॉशरी के लिए जमीन खरीदी जा रही थी मुझे ऐसा लगा कि हमारे गांव में जो विकास हो रहा है वो बर्बाद हो जायेगा। क्योंकि हम किसान हैं। आज हमारे देश के प्रधानमंत्री एवं राज्य के मुख्यमंत्री सभी ये कहते हैं कि खेती को बढ़ावा दिया जाये। इधर खेती का क्षेत्र कम कर रहे हैं। यहां खेती कहॉ होगा। इस वॉशरी की स्थापना से आम जनता के लिए प्रदूषण पर ध्यान दे, हमारे क्षेत्र के बेरोजगारी पर ध्यान दे, तो हमारा भला होगा ऐसा लगता है। इस उम्मीद में हम जी रहे हैं। यहां 3–4 कोल वॉशरी लगा, हम नहीं कहते कि इस क्षेत्र के बेरोजगार बच्चे को नौकरी पर नहीं रखा जाता है। हमारे कहने पर हमारे क्षेत्र के बेरोजगार बच्चें को नौकरी पर रखे जाते हैं। लेकिन उद्योग बाहरी लोगों को भरता है इस क्षेत्र के बच्चे बेरोजगार रह जाते हैं। उद्योग में यूपी, बिहार, हरियाणा गुजरात, राजस्थान बाहरी आदमी रखते हैं इसका मैं विरोध करता हूं। कोई भी प्रकार का कंपनी लगायें, हम कंपनी लगाने का विरोध नहीं करते हैं क्योंकि एक कंपनी में कई हजार लोग काम करते हैं। अगर ईमानदारी से हमारे क्षेत्र के जनता को काम मिल जाये। हमारे गांव के बेरोजगार बच्चे को काम मिल जाये, शायद मैं यह सोचता हूं कि एक एकड़ क्षेत्र में खेती करता हूं तो 20 बोरी धान पाता हूं अगर मेरी जमीन में उद्योग लग जाये तो मैं गाड़ी खरीदकर उस कंपनी में लगा दूं तो शायद मैं ज्यादा कमा सकूंगा। कब? जब ये कंपनियां हमारे क्षेत्र के लोगों को महत्व देगी, हमारे गाड़ीयों को ट्रांसपोर्टिंग में लगायेंगी। हमारे बच्चों को नौकरी दें। प्रदूषण को रोकने के लिए समुचित कार्यवाही जो शासन के नियमावली के अनुसार हो करें तब हम समर्थन करते हैं। इस क्षेत्र के लोगों को नौकरी दे। अगर विरोध होना है तो तरीके से विरोध करें। सभी कंपनी बंद होना चाहिए। क्या के.पी.सी.एल. को बंद कर सकते हो, क्या महावीर वॉशरी को बंद कर सकते हो, क्या क्लीन कोल को बंद कर सकते हो, क्या हिण्डाडीह को बंद कर सकते हो? नहीं कर सकते तो इसका विरोध भी मत करो। समर्थन करो ताकि हमारे गांव का विकास करे, हमारे क्षेत्र के बच्चों को नौकरी दे।

14. **श्री रघुवीर सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य, ग्राम–नरियराः–** मेरे घर के आगे 200 मीटर की दूरी पर के.एस.के. महानदी पॉवर प्रोजेक्ट 3600 मेगावॉट खुला है, आज तक हम लोगों को आठ साल हो गये नौकरी नहीं मिला है। यहां भी नौकरी नहीं मिलेगा मैं यह बता देता हूं कि 3600 मेगावॉट में 40 हजार करोड़ लगा है। वो तो नौकरी नहीं दिया? ये 40 करोड़ वाले क्या नौकरी देगा? मेरी यह गारंटी है। यह उद्योग भी हम लोगों को नौकरी नहीं देगा। यहां जन सुनवाई किसलिए हो रही है? मात्र पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए। क्या ये प्लांट के खुलने से हमारे पर्यावरण में सुधार आयेगा क्या? हमारे वायु प्रदूषण में कमी आयेगी क्या? इस बात को आप लोग समझ लें। क्या उद्योग द्वारा जल की आपूर्ति भूमिगत जल से करेंगे या कहीं और से लेकर आयेंगे। क्योंकि इस उद्योग में नदी, नाले से जल की आपूर्ति नहीं करेंगें। भूमिगत जल स्त्रोत से जल लेंगे, जोकि हमारे हिस्से का है। जो जल हम पीने के लिए उपयोग करते हैं उसका उपयोग ये कोल वॉशरी में करेंगे। जब बड़े पॉवर प्लांट जनता के हित के बारे में नहीं सोचते तो यह छोटा सा कोल वॉशरी जनता का क्या हित करेगा। मैं आप लोगों को अवगत कराना चाहता हूं कि इसी प्रकार से लगातार जनता के साथ छल हो रहा है। सिर्फ सहयोगी बनकर आते हैं और बाद में इनकी असलियत का पता चलता है, हम लोगों को किनारे कर देते हैं। छत्तीसगढ़ के लोगों को उद्योग वाले बंदर, भालू आदि की भांति समझते हैं। मैं आप लोगो को आगाह करना चाहता हूं कि कोल वॉशरी का पुरजोर विरोध करें। यदि हमारी भुजाओं में ताकत होगा तो आज ही यह कोल वॉशरी बंद हो सकता है, क्योंकि वॉशरी प्रबंधन द्वारा हर बात को गलत तरीके से प्रस्तुत करते हैं। कोल वॉशरी पानी कहां से लाऐंगे कही भी नहीं लिखा। कोल वॉशरी से वायु प्रदूषण के संबंध में कहीं पर नहीं लिखा है। उद्योग स्थल से लगभग 200 मीटर की दूरी पर मिडिल स्कूल है तो उसे कैसे व्यवस्थित करेगा वॉशरी प्रबंधन। मिडिल स्कूल को अन्य स्थल पर स्थापित करेंगे क्या? क्या हम लोग विस्थापन के लिए छत्तीसगढ़ में पैदा हुए हैं? इससे स्पष्ट है कि हम लोग भविष्य में लगातार विस्थापित होते रहेंगे। ये जो हिन्द एनर्जी कंपनी है क्या यह सार्वजनिक/सरकारी कंपनी है। सिर्फ एक व्यक्ति को लाभ दिलाने के लिए हमारे हजारों व्यक्ति के जीवन को संकट में डाला जा रहा है। इस बात को आप लोगों को अच्छी तरह से समझना होगा। मैं कोल वॉशरी का पुरजोर विरोध करता हूॅं । इसका कारण यह कि मैं छत्तीसगढ़ के किसान का बेटा हूं। मुझे किसी के द्वारा यहां बुलाया नहीं गया, मैं स्वप्रेरणा से आया हूं। जहां–जहां जन सुनवाई होता है वहां–वहां मैं जाता हूं। और जो सत्य बात हैं वहां रखता हूॅं। यहां पर हजारों ट्रक द्वारा कोल का परिवहन किया जायेगा और अपने व्यक्तिगत हित के बारें में सोचेंगे, हमारे सार्वजनिक हित के लिए इनको कोई चिंता नहीं है। मैं कहना चाहता हूं समय आ गया है संगठित हो जाओ नहीं तो एक भी आदमी छत्तीसगढ़ में नहीं बचेगा, सब बाहरी आदमी यहां आकर प्रवेश कर जायेंगे, इस बात का ध्यान रखें आप लोग। हमें हिन्द एनर्जी या कोई फैक्ट्री से विरोध नहीं है विरोध है इनकी नीति का जैसे– 6000 रू. स्थानीय लोगों का वेतन है और 15000 रू. बाहरी लोगों का वेतन है। यहां आसपास के कोल वॉशरी के द्वारा कितने स्थानीय लोगों को स्थायी नौकरी दिया गया है? बस इसका ही जवाब मुझे दें। यदि इनको बाहरी लोगों को ही नौकरी देना है तो एक अल्टीमेटम जारी कर दें तो हम अपना गांव छोड़कर चले जायेंगे। क्योंकि उद्योग के द्वारा बोरवेल के माध्यम से भूमिगत जल का दोहन किया जायेगा। जनसुनवाई पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए होता है।

15. **श्री नवीन पाण्डे, छ.ग. जनता कांग्रेस, ग्राम पंचायत गतौराः–** यहां पर जो हिन्द कोल वॉशरी खोला जा रहा है, मै उसका पूरा समर्थन करता हूं। क्योकि हमारे यहां गतौरा में खोला गया है वहां हजारो लोगों को रोजगार का अवसर दिया गया है। और वहां कार्य भी दिया जाता है इसलिए मै अपना पूरा समर्थन देता हूॅं।

16. **श्री देवसिंह पोर्ते, ग्राम–गतौराः–** समर्थन है।

17. **श्री विष्णु प्रसाद यादव, वार्ड क्रं. 5, ग्राम–बलौदाः–** आज तक जितना भी प्लांट खुला है। जितने भाई लोग बोले गतौरा का है, चारपारा का जहां खुलना चाहिए उसके बारे में तो बोले ही नहीं। खुलना बिरगहनी मे है तो बिरगहनी की बात ही नहीं हुआ। बिरहगहनी के जो युवा है बेरोजगार है उनको रोजगार मिलना चाहिए। पढे लिखे आदमी, जो कम्प्यूटर आपरेटर किया, इंजीनियरिंग किया वो तो किसी भी जगह या प्रदेशों में कमा सकता है। लेकिन एक लेबर भाई मजदूर है जो कहीं नहीं जा सकता, वो अपना घर नहीं छोड सकता। जिससे पलायन बंद होगा। वहां वॉशरी लगेगा तो, वहां की गरीब जनता को रोजगार मिलना चाहिए। वहां रोजगार मिले इसलिए हम चाहते है कि वहां का जनहित का काम हो। कई भाई बोले इन्वायरमेंट के बारे में साईकिल खरीदो, मोटर साईकिल खरीदो, क्या रोड टैक्स नहीं देना पड़ता? रोड टैक्स देते है। धूल उडता है रोड़ अच्छा बने तो धूल नहीं उडेगा। इतने बडे–बड़े ट्रेलर चल रहे है क्या रोड टैक्स नहीं दे रहे होंगे? रोड़ अच्छा बनेगा तो धूल नहीं उडेगा। वॉटर संरक्षण करे, तालाब गहरीकरण करें। डबरी से पशु–पक्षी, लोगो को पानी मिलता था। कंपनी को ये सब चीजों का ध्यान रखना चाहिए। इसलिए मै समर्थन करता हूँ। हर दिशा में वृक्षारोपण करे पानी हार्वेस्टिंग के लिए, जगह–जगह तालाब बनवाये, रोड़ अच्छा बनवाये, हम सभी समर्थन करते हैं कोल वॉशरी खुलना चाहिए। वहां की गरीब जनता जो बेरोजगार है उनको रोजगार मिलना चाहिए।

18. **श्री राधेश्याम देवांगन, प्रदेश महामंत्री छ0ग0 कांग्रेस :–** हिन्द एनर्जी कोल वॉशरी आरंभ हो रहा है क्या इसमें किसानों का हित है? जहां कोल वॉशरी खुलना है वहां के क्षेत्र के किसान बंजर जमीन में खेती नहीं कर पा रहे है और गरीबी से जी रहे है। जहां पर कोल वॉशरी स्थापित है वहां से नहर 500 मीटर पर, इसके बाद प्राथमिक शाला है, वहां से प्लांट लगभग 100 मीटर की दूरी पर और 56 एकड़ भूमि पर बांध है, जो हमारे क्षेत्र के किसानों को, क्षेत्र के लोगों को पानी उपलब्ध कराता है। क्या ये कोल वॉशरी खुलने से उस बांध में प्रदूषण नहीं होगा, जिस बांध से हमारा जीवन यापन चल रहा है? वहीं 300 मी. की दूरी पर घना जंगल है। क्या वहां जगंल में वायु प्रदूषण की समस्या नही होगी? जहां प्लांट स्थापित है वहां से 01 कि.मी. की दूरी पर घनी बस्ती है। आप जानते है कि बलौदा बस्ती ऐसी घनी है जहां हवा तक नही जाती। वहां प्रदूषण भरी हवा जाती है तो हमारे वहां रहने वाले भाईयो को कई प्रकार के बिमारियों का सामना करना पडेगा। आपको सोचना पडेगा कि प्लांट हित मे है कि अहित में। कोल वॉशरी खुलने से हजारो बड़ी–बड़ी गाड़ियां चलती हैं जिससे आये दिन दुर्घटना हो सकती है आज हमारी मेन रोड जहां से व्यवसायिक आवगमन हो रही है वहां से बडी–बडी गाडियां गुजरती है आमजनो को राहगीरो को वहां से गुजरना पड़ता है किसान हित में आप लोग जाईये और पुरजोर विरोध कीजिये इस प्लांट का और हमारे किसान भाईयो को आश्वासन दीजिये। आप लोग चाहेंगे तो ये प्लांट स्थापित नहीं होगी। शुरूआत नहीं होगी।

19. **श्री विनोद शुक्ला, जिलाध्यक्ष किसान कांग्रेस जांजगीर–चांपा, जनपद पंचायत बलौदा :–** आज हिन्द इनर्जी के द्वारा कोल बेनिफिकेशन इंडिया प्रा0 लि0 की स्थापना बलौदा में होने जा रहा है। जन सुनवाई के बाद हिन्द इनर्जी की स्थापना हुई। किसान लोग बात रखते है, जनप्रतिनिधि लोग बात रखते है। यहां के निर्वाचित प्रतिनिधि जो लोकसभा में, विधानसभा में जिन्हें हम सब चुन कर भेजते हैं, आज उनका दायित्व है, फर्ज है कि वे सम्मानित व्यक्ति, लोगों को जन सुनवाई में आकर भाग लेना चाहिए। वास्तव में क्षेत्र में जब कोई पॉवर प्लांट का स्थापना हो रहा है तो उस क्षेत्र के विधायक, लोकसभा सांसदों से पूछा जाता है, उनसे एनओसी लिया जाता है, इस बारे में मुझे जानकारी नहीं है कि उन लोगों द्वारा सहमति व्यक्त

की गई है या असहमति व्यक्त की गई है? वर्तमान जो सरकार है, सरकार के द्वारा बलौदा क्षेत्र के, बलौदा अंचल के किसानों के दर्द–पीड़ा को देखने नहीं आ रहे है। क्यों नहीं आ रहे है देखने के लिए? हमारे संगी–साथी लोगों एवं हमारे बच्चे के साथ बड़े हाईवा ट्रेलर से दुर्घटना हो गया। इसके पहले बलौदा क्षेत्र में कई बार हादसा–दुर्घटनाएं हुईं, मौतें हुईं। उनके जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा किसी प्रकार का कोई विशेष नगदीकरण के लिए मुआवजा लाभ दिलाने के लिए कोई कारगर कदम नहीं उठाया गया। किसान के पुत्र व बेटा को ध्यान में रखें, वॉशरी का स्थापना किसलिये हो रहा है? क्योंकि क्षेत्र में बेरोजगारी दूर होगी। क्षेत्र के बेराजगार साथी लोग को रोजगार मिलेगा। मैं किसान कांग्रेस की तरफ से मांग कर रहा हूँ हिन्द वॉशरी की जो स्थापना हो रही है, सबसे पहले पर्यावरण विभाग यह देखे कि प्रदूषण किसी भी प्रकार से न फैले। किसान की जमीन पर किसी भी प्रकार का दूषित प्रभाव न पडे। इसमें विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। किसान की जमीन प्रभावित न हो किसान के पुत्र व बेटा को पर्याप्त मात्रा में रोजगार देने का अवसर प्रदान करें। रामपुर–चारपारा होते हुये आने–जाने वाली रोड बहुत खराब है उसे तत्काल सुधार किया जाये। बलौदा के आसपास गांव में भी विकास का कार्य होना चाहिए। इस पर विशेष ध्यान दिया जाये। चारपारा–रामपुर मार्ग पर सुबह शाम नियमित रूप से जल छिड़काव होना चाहिए। इन सभी शर्त को हर हाल में पूरा करेंगे तो हमारा समर्थन है नहीं तो असमर्थन है सरकार तक किसान की बात को पहुंचाने के लिए। हर एक चीज का दो पहलू होते हैं, पहला पहलू विकास का, दूसरा पहलू नुकसान और नफा का। क्या किसान के नुकसान का बलौदा के संगी–साथी, युवा–साथी लोगों को, बलौदा के नागरिको को आपत्ति है या नहीं? सबसे पहले 40 गांव का बलौदा मुख्य बिन्दु है, वहां के व्यक्ति लोगों को किसी प्रकार से नुकसान होगा या हो रहा है? वॉशरी बनने से उनके खेत में प्रदूषण के माध्यम से पर्यावरण को नुकसान हो रहा है तो निशचित रूप से इसका विरोध होना चाहिए। इकाई की स्थापना नहीं होना चाहिए। लेकिन हम दूसरे पहलू पर देखे तो यहां के किसान भाईयो के पुत्र, युवा बेरोजगारों लोगों को नौकरी देता है इस इकाई में किसी बाहरी लोगों को रोजगार नहीं देना चाहिए। यहां के स्थानीय लोगो को प्राथमिकता व योग्यता के अनुसार रोजगार देता है तो हमारा समर्थन है।

20. **<u>श्री संदीप यादव, जिला पंचायत सदस्य अकलतरा :–</u>** आज जो कोल वॉशरी हमारे चारपारा में खुल रहा है उसका जन सुनवाई का कार्यक्रम चल रहा है। बीच–बीच में लोक सुनवाई बंद करने की हुटिंग हो रही है। ये जो कोल वॉशरी के मालिक है जो वादा करेगा वो पूरा करेगा क्या? छत्तीसगढ धान का कटोरा है। छत्तीसगढ में जितना पॉवर प्लांट लगाया है सरकार ने आज तक कौन सा काम को पूरा किया है और कौन सा वादा को पूरा किया है? ये सरकार को लबरा सरकार कहते है, जैसे सरकार लबरा, वैसे ठेकेदार भी है। लबरा ठेकेदार बोलते है कि हम तुमको नौकरी देंगे, हम तुमको 20 लाख रू. मुआवजा देंगे। हम तुम्हारे घर के आगे बोरिंग करावायेंगे। हम तुम्हारे लिए नहर के जाल बिछायेंगे। एक भी ठेकेदार बता दे या सरकार बता दे कि हमारा वादा को आज तक पूरा किया है क्या? आज तक हमारा कोई मांग को पूरा नहीं किया है, ये लोग बडे–बडे बात करते है। अभी जो बात करेंगे तो हॉ बोलेंगे। जब उनके उद्योग का बाउंडीवॉल उठ जायेगा तो उसके बाद उसके अंदर जाने के लिए तुम्हें को कोई रास्ता नहीं मिलेगा। इसके घर में मिलने जाओगे तो नहीं मिलेगे। ये ऐसे ठेकेदार है जो हम लोग को मीठा–मीठा बोलेंगे सिर्फ धोखा देंगे और धोखा देकर चले जायेंगे। मै जनसुनवाई का पूरा–पूरा विरोध कर रहा हूं। आप लोग भी विरोध करो। ये जनसुनवाई का बहिष्कार करो। और ये कोल वॉशरी को मत खुलने दो।

21. **श्री चंद्रप्रकाश जोशी, ग्राम–बिरगहनी** :– ये वॉशरी पहले से खुल चुका है। जन सुनवाई आज हो रहा है। मै चाह रहा हूं कि पर्यावरण विभाग से इसे तत्काल मंजूरी मिलना चाहिए। तो हमारे ग्राम पंचायत में खुलने से क्या आपत्ति है। कोई आपत्ति नहीं है हमारे गांव से कम से कम 100 लोगो को रोजगार मिलेगा। गांव के लोग बाहर नहीं जायेंगे, यहीं गांव में ही काम करेंगे। इसलिए मै चाह रहा हूं कि तत्काल खुले। हम गांव के लोगों को कोई आपत्ति नहीं हैं। जब ग्राम वालो को आपत्ति नहीं है तो बाहरी वालो को क्या है।

22. **श्री सदन यादव, ग्राम–भेलाई :–** मै सिर्फ ये जानना चाहता हूँ कि जन सुनवाई क्यो किया जाता है? जनसुनवाई 2 साल पहले ग्राम भेलाई में किया गया था, जिसका पूरा विरोध होने के बावजूद वहां कोल वॉशरी खुल गया। ये कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। जनता के साथ छलावा है, दिखावा है कि हम जनसुनवाई कर रहे है इस जनसुनवाई का कुछ होने वाला नहीं है। ये पहले से सेटिंग होती है। यहां 100 प्रतिशत पूरी व्यवस्था है कि जनसुनवाई पूरा होगा। कोल वॉशरी खुल के रहेगा। इसको कोई नहीं रोक सकता। कोल वॉशरी खुलने से किसान की कृषि भूमि खराब हो जायेगी। पर्यावरण दूषित हो जायेगा। पौधा रोपण नहीं किया गया है। जिस किसान की फसल लगी है उसी को बर्बाद कर रहे है। इनका धान पूरा काला पड जाता है। गांव को गोद में लेंगे, जब आप 10 मजदूरो को काम नहीं दें सकते तो गांव को क्या गोद में लोगे। किसानों में दम है कि वह देश व प्रदेश को गोद लेते है। जिस दिन किसान अन्न पैदा करना बंद कर देंगे तो पूरे देश में हाहाकार मच जायेगा।

23. **श्री राजेश लहरे, ग्राम–बुडगहन :–** बीच–बीच में जनसुनवाई के दौरान कोल वॉशरी नहीं खुलेगा, नहीं खुलेगा एवं जनसुनवाई बंद करो, बंद करो, कोल वॉशरी नहीं खुलेगा, नहीं खुलेगा की हुटिंग हो रही है। यहां हिन्द एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन प्रा0 लि0, कोल वॉशरी ग्राम–बिरगहनी का शुभारंभ किया जा रहा है। जिससे क्षेत्र वासियो को, आसपास के लोगो को तो रोजगार मिलेगा। उनके साथ में बेरोजगार लोगों को भी रोजगार और पर्यावरण को भी दूषित करेगा। अच्छा है हमारे क्षेत्र में जो कोल वॉशरी खोला जा रहा है उसमें रोजगार मिल रहा है। मै उसका समर्थन करता हूं।

24. **श्री केवल चंद जैन, बलौदा नगर पंचायत भूतपूर्व अध्यक्ष** :– आज मैं इस बात को पूछना और जानना चाहता हूं कि कोल वॉशरी को एनओसी जब तक हमारे जनप्रतिनिधि नहीं देंगे तबतक उनको परमीशन ही नहीं मिलेगा। हमारे द्वारा इनको एनओसी दी गई है तो एनओसी प्राप्तकर्ता निश्चित तौर से कोई न कोई उद्योग लगायेगा जो उसके अधिकार क्षेत्र की बात है। और उस अधिकार क्षेत्र में वह अपनी बात को जनता के बीच में जनसुनवाई के माध्यम से रखना चाहता है। मैं ये पूछना चाहता हूं कि हमारी भारत सरकार विदेशी कंपनियो को भारत में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित कर रही है और विदेशो से पैसा यहां बुलाया जा रहा है साथ ही विदेशो की संपत्ति हमारे भारत में उद्योग लगाने के लिए निशिचित तौर से संबंधित विदेशी कंपनी को दिया जा रहा है। हिन्द एनर्जी वाले हमारे छत्तीसगढ़ का निवासी है यदि कोल वॉशरी लगा रहा है तो उसने कौन सी गौ हत्या की है, कौन सा अन्याय किया है, इस बात को मैं सर्वप्रथम आपसे जानना चाहूंगा कि उन्होने नियम के तहत् आपके जनप्रतिनिधियों के माध्यम से एनओसी प्राप्त की है और एनओसी प्राप्त करने के पश्चात् वह अपने औद्योगिक क्षेत्र में कदम रखने जा रहा है। जनता के द्वारा जो आव्हान आपके समक्ष रखा गया है। यदि आपके द्वारा उस जनता की मांगो का अवहेलना किया जाता है और जनता की बातो का निरादर किया जाता है तो यह शासकीय अधिकारी/कर्मचारी निश्चित तौर पर दोषी होंगे। उस समय मैं जनता के साथ, आपके साथ संघर्ष करने के लिए कंधे से कंधा लगाकर साथ दूंगा। आपका साथ नहीं दूंगा, यदि आपने जनता को ठगने का काम किया है तो निश्चित है कि पॉवर–ताकत आपके हाथ में है, परंतु जनता हमारे साथ में है। जब गरीब की आह लगती

है तो अच्छे–अच्छे अधिकारी, अफसर, अच्छे–अच्छे उद्योगपतियों को हाय लगती है वह धूल में मिलते नजर आते है। आप हमारी मूलभूत सुविधाओ के लिए हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलें तो हमे आपका सहयोग करना पड़ेगा जैसा–शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली और पर्यावरण का क्षेत्र। यदि आपके द्वारा हमारी अबोध कम पढ़ी–लिखी भोली–भाली छत्तीसगढ़ की जनता को ठगा गया, तो निश्चित तौर पर चाहे हमे लाठी खानी पड़े, चाहे हमें गोली खाना पड़े, आपके अधिकारी और शासन की ओर से जो हमें तकलीफ होगी हम उसका विरोध करेंगे। हमारी मूलभूत सुविधाओ का ध्यान में रखते हुए निश्चित तौर से यदि आपके द्वारा हमें सहयोग प्राप्त होगा तो हम निश्चित तौर से आपको विश्वास दिलाना चाहते है कि हमारी छत्तीसगढ़ की जनता सीधी–सादी, भोली–भाली है आप उन्हें ठगने का काम मत करना, पाप का काम मत करना, अन्याय का काम मत करना। यदि आप पाप और अन्याय का कम करोगे तो निश्चित तौर से एक दिन वॉशरी का और आप सभी का शमन होगा। मेरा आत्म विश्वास है, कोई घमण्ड नही है मैं प्रभु में आस्था रखता हूँ और प्रभु से अपेक्षा रखता हूँ। हमारे अन्याय को आप सहने के लिए और उसका विरोध करने के लिए सहमति प्रदान करना और हमारी मूलभूत सुविधाओ के साथ कोई खिलवाड मत करना। कहा गया है कि कोल–माफिया, भू–माफिया, शराब–माफिया से आज तक न कोई जीता है, न जीत सका, न जीत पायेगा। ऐसा मेरा मानना है। इन ताकतवर लोगों के साथ हमें अपना नन्हा–मुन्ना बनकर अपने मन की, अपनी–अपनी इच्छाओं की बात को रखेंगे तो निश्चित तौर पर समय–समय पर हमारी बातो का ध्यान दिया जायेगा और मुझे विश्वास है कि हमारी मांगो को सम्मान देते हुए हमारे क्षेत्र की जनता के साथ सद्भावना रखेंगे।

25. **<u>श्री अजय कुमार देवांगन, ग्राम पंचायत भेलाई उपसरपंच</u> :–** मेरी समझ से प्लांट–हिन्द कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए। क्योंकि हमारे ग्राम से 100 मीटर की दूरी पर हिन्द कोल वॉशरी स्थापित है, जो आज पर्यन्त तक भेलाई में एक रूपया, एक आदमी को भी काम नहीं दिया है। प्लांट खोलते वक्त कोई भी वॉशरी हो या प्लांट हो, अनेक प्रकार की बाते करते है। मै बेरोजगारो का काम दूंगा, मेडिकल कॉलेज खोलूंगा। लेकिन इनके ये सब बात ढकोसले सिद्ध होते है। हमारे ग्राम में महावीर कोल वॉशरी स्थापित हैं। इतना बड़ा दुःख है कि तालाब का पानी पूरा काला, लोग बीमारी से ग्रस्त हैं और वादे तो ऐसे करते है कि हर साल मेडिकल कैम्प लगवायेंगे। लेकिन हर साल क्या 7–8 साल बाद भी एक भी मेडिकल कैम्प नहीं लगवाया जाता। हिन्द कोल वॉशरी भेलाई से मात्र 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। आज भेलाई का धान इतना खराब हुआ कि बार–बार बोलने के बावजूद भी प्लांट के कर्मचारी द्वारा ध्यान नहीं दिया जाता। अतः मेरे हिसाब से प्लांट बंद हो, बंद हो। कोल वॉशरी जन सुनवाई बंद हो बंद हो।

26. **<u>श्री आनंद शर्मा, ग्राम–भेलाई</u> :–** मैं उस गांव से तालुक रखता हूं। जहां दो–दो वॉशरी है। वॉशरी क्या होता है, कैसा होता है उनसे पूछिये, हम बतायेंगे आपको। आज से 8 साल पहले इस क्षेत्र में वॉशरी नहीं था, उस समय से हम लोग वॉशरी का विरोध करते आ रहे है। भेलाई में जब महावीर कोल वॉशरी का जनसुनवाई हुआ था, तो उनका पुरजोर विरोध किये थे और नतीजा तो कुछ भी नहीं निकला वहां पर क्षेत्र वाले जानते है। भेलाई का जो नया पॉवर प्लांट का विरोध किये थे वो अब चालू होने वाला है। वॉशरी न तो हिन्द का होता है न तो महावीर का होता है न तो केपीसीएल होता है वॉशरी तो वॉशरी होता है। यहां पे नाम अलग–अलग है ये सब एक दूसरे से मिले हुये है। ये सब हमारे यहां आये है गांव में आये है। हमारे जगह मे आये है। वॉशरी लगाना चाहते है प्लांट लगाना चाहते है और कहते है हम आपके लिए ये करेंगे वो करेंगे। हम 3–3, 4–4 प्लांट देख चुके है आज तक तो कुछ नही हुआ। आप लोग कहते है कि हमारे क्षेत्र वासियों को रोजगार देंगे। मजाक नहीं कर रहा हूँ जब 100–150 लोग गये रोजगार मांगने के लिए गये, मुझे हल्ला करता है कहते हैं चुप रह, मुझे रू. 7000 में नौकरी दिया और बिहार से आये लोगो को रू. 15000–20000 दिया जाता है। यही वादा

करने आये है यहां पर। आज हिन्द की जनसुनवाई हो रही है, कल वहां महावीर की हुई थी। जनसुनवाई में हमारे प्रश्नो का उत्तर कौन देगा? देखो भैया ये कोल वॉशरी वाले हम लोग को बेवकूफ बना रहे है। आज कई साल हो गया है हम लोग रोजगार की मांग कर रहे है। सब नाना प्रकार की मांग कर रहे है। खालिस थूक पालिस है जिनको जनप्रतिनिधि चुने थे कोई नजर नहीं आते हैं, कहां है? वोट मांगने तो आये थे आज गांव वाले के ऊपर आया है। हम लोगों को कोयला खा–खा के टीवी हो गया है, मरने का समय आ गया है तो तुम लोग कहां हो? जो चुन के लोग आये थे कोई नजर नहीं आता। हम लोग पुरजोर विरोध कर रहे है। 100 प्रतिशत विरोध कर रहे है। प्लांट नहीं खुलने देंगे। बलौदा में चारपारा में कोल वॉशरी खुल रहा है। कोयला भेलाई से नहीं, कोयला निकलेगा दीपका खदान से। दीपका, हरदीबाजार आदि ये कोई एक गांव का माल नहीं है। यहां भेलाई में कोल वॉशरी खुल रहा है भेलाई में चाहिए कोयला। गांव में छोटा सा बालक अपनी पापा के साथ स्कूल जा रहा था। तो ट्रेलर ठोकर मार दिया। ये किसके वजह से हो रहा है। हम लोग जो बात बोल रहे है वो बात पहुचेगा ना? हम लोग विरोध करते है क्या विरोध करने से प्लांट बंद हो जायेगा? प्लांट बंद नहीं होने वाला मै लिख के देता हूं। प्लांट बंद नहीं होगा भैया। कोई बंद नहीं करवायेगा। हम लोग कीड़े–मकौड़े हैं हम लोग खाली वोट देने वाले है। प्लांट चालू करने वाले कहीं और बैठे है। प्लांट के विरोध ये जनसुनवाई को बर्बाद कर रहे है। ये वादा है कि कि लिखवा के दे। अगर हम लोग का मांग पूरा नहीं होगा तो कौन जवाब देगा। अगर हमारे गांव के आदमी गाड़ी में दब के मर जायेगा तो जवाब कौन देगा। हमारे खेत में धान नीहीं हो रहा है उसका जवाब कौन देगा। हम लोग का जवाब कौन देगा। ये सब जवाब लिखा कर लेना साहब। जन सुनवाई में जन सहमति लेने नहीं आये। लिखावा के ले लो क्या–क्या मांग है। प्रथम मांग है इस क्षेत्र में कोल वॉशरी खुलेगा तो लोकल आदमी को नौकरी में लो और लोकल आदमी को नौकरी में नहीं लोगे तो मै वो आदमी हूॅ जो ट्रेलर रोड़ में आयेगा तो उसके सामने मैं सो जाउंगा और मेरे बाद पूरे गांव के सैकडो नवजवानों को रोड़ में सुलवाउंगा। कितने के उपर ट्रेलर चलेगा? जनता से सरकार होती है सरकार से जनता नहीं होती। हम खेत में काम कर के दिन काट देंगे, रोजगार गारंटी में काम करके खा लेंगे, जिसको इस क्षेत्र में काम करना है तो वो हम लोगों का होकर रहेगा। हम लोग का होकर नहीं होगा तो इतना भयंकर उग्र आंदोलन होगा कि कोई कुछ नहीं कर सकेगा। आज कल कई लोग ट्रेलर से दबकर मर जा रहे हैं। वॉशरी के यहां आने से कोयला–माफिया, शराब–माफिया ये लोग मजबूत हो रहे है। आये दिन शराबी ड्राईव्हर लोग दारू पी–पी के गाड़ी चला रहे है। कुत्ते की तरह मर रहे है आदमी, मैने देखा है। जो ट्रेलर से दबकर मर रहा है। कम से कम 7–8 गाय बाहर में मरे पढे है सिर्फ ट्रेलर की वजह से। अगर वॉशरी नहीं रहेगा तो ट्रेलर कहां से चलेगा। अगर कोल वॉशरी खुलेगा तो हम लोग गरीब आदमी लोग को देखे रहना। नौकरी में हम लोग गांव वालो को लेना हम लोग बेराजगार है, गांव को गोद लेंगे कहते हो। गांव वाले जिसका जमीन नहीं निकल रहा है उसको नौकरी नहीं दोंगे क्या? जिसका जमीन निकला है नौकरी देंगे और जिसका जमीन नहीं निकला है उसे नहीं देंगे। हमारे तालाब का पानी काला हो गया है क्या हम लोग नहीं नहाते है? हम लोग का जमीन नहीं निकल रहा है हम लोग मर जाये क्या? वॉशरी वाले प्रदूषण पर नियंत्रण करो, बेरोजगारी दूर करने का वादा करो, लिखित में दे। उसके बाद में वॉशरी खोलना चाहोगे। साल भर के बाद तुम्हारा वादा पूरा नही होगा तो एक बहुत बडे आंदोलन की चेतावनी दे रहा हूं।

27. **श्री बाबूलाल पटेल, ग्राम–कटरा** :– हिन्द कोल वॉशरी के तरफ से जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। ये जनसुनवाई पिछली बार मेरे गांव कटरा में हुआ था। ये जो जनसुनवाई है जहां फैक्टरी खोल लिये है या खोल डाले है। वहां पर जनसुनवाई क्यों नहीं कर रहें है? अलग–अलग क्यों कर रहे है? ये जनसुनवाई जहां कोल वॉशरी खुल रहा है वहां करना चाहिए। जहां खुल रहा है वहां जनसुनवाई होना चाहिए। चारपारा में जनसुनवाई कर रहे है चारपारा में तो ट्रक चल रहा है, ट्रेलर चल रहा है लोगों को धूल खाने को मिल रहा है। चारपारा के जगह बिरगहनी, कटरा में क्यों नहीं किया गया जनसुनवाई को जहां वॉशरी है ये सवाल मेरे साथी व भाई लोग कहे है। रोजगार कहां देते है रू. 15000 की बात कर रहें है। बिहार, उडीसा, आंध्रा से आये लोग को नौकरी दे रहे है। कटरा के कितने लोग है हिन्द कोल वॉशरी में बता दे मेरे को। कितने महिला, कितने पुरूष को नौकरी दिया है। कहा है जीएम साहाब बता दे। हम लोग मारपीट नहीं करेंगे हम लोग को बता दो वॉशरी में कटरा, बिरगहनी के कितने लोगों को नौकरी दिये है। बेरोजगार लोग सब नौकरी देंगे लिखाकर रखे है उन्हें गार्ड लोग अंदर तक नहीं जाने देते है। जीएम कहां है वही से हम लोग को बेवकूफ बना देते है जीएम साहब उत्तर देंगे मेरे को। हिन्द वॉशरी, महावीर वॉशरी के लोग इतने गायो को रौंद के निकलते है, ड्राईव्हर शराब पी के चलाते है। बिरगहनी में जितने दुकान है सब में शराब मिल रहा है। कोई अधिकारी लोग धावा नहीं बोल सकते, तीन गावं में जन सुनवाई करना चाहिए, जो गांव प्रभावित हो रहा है। सीएसआर के पैसा कटरा का कहा–कहां लगा है और क्या–क्या बनावाये है? वो मानव के उपयोग के लिए आता है। पर्यावरण में कहां–कहां पौधा रोपण किया गया है। मूलभूत सुविधा के अंतर्गत हास्पिटल, तालाब, पचरी का निर्माण कहां कराये है ? बता दें। सीसी रोड़ और सीएसआर में कितना पैसा है तुम्हारे पास उसको बता दो। जो जनप्रतिनिधि लोग बैठे हैं वे जनप्रतिनिधि यहां क्यों मेहनत नहीं कर रहे हैं? जब चुनाव आयेगा तो वोट देना बाबूलाल भैया, और फिर खिसक जाओगे। अभी हिन्द वॉशरी के लोग सब चीजों में हॉ कहेंगे और बाद में टाय–टाय फिश कर देंगे। तुम लोग इन लोगो का सहयोग मत करो। तुम लोग सहयोग करोगे तो जो गरीब तबके के कुचले बेराजगार लोगों के बच्चो के आह लगेगा। गरीब पढे लिखे लोग को काम देना चाहिए। पढे लिखे कटरा, बिरगहनी, भेलाई व अन्य गांव के लोगों को योग्यता के आधार पर नौकरी देना पडेगा।

28. **श्री कृष्ण कुमार पटेल, चारापारा**:– वॉशरी वाले को बोलना चाहूंगा कि 4 साल के बाद पहचाने हो। इतने दिन से यहां पर ट्रेलर, हाईवा चल रहा था। आज ढकोसला किये जनता को दिखाने के लिए, हम लोग पानी की व्यवस्था करते है, धूल धक्कड नहीं खाते, हमारे जनता लोग एकदम साफ है। वहां पर क्या डायरेक्शन दे रहे है? यहां पर आकर माईक में बोलिये। जनता के सामने बोलिये। वॉशरी खुला है क्या जानते है चारपारा को? यहां रोड़ नहीं बना है यहां शराब पीकर इतना गाडी चला रहे है। किसी को रोको तो इसका गाडी है उसका गाडी है दादागिरी दिखाते है।

29. **श्री नंद किशोर हरबंश, अध्यक्ष जिला पंचायत** :– लोक सुनवाई हो रहा है चारपारा में कोल वॉशरी का, मै ये कोल वॉशरी से पूछना चाह रहा हूं आज तक जितना भी वादा किये है दो–दो कोल वॉशरी हिन्द वॉशरी, महावीर वॉशरी पूरा नहीं किये है। इसका हम लोग विरोध कर रहे है और विरोध करते रहेंगे। अगर ये बंद नहीं हुई, तो आंदोलन के रूप में क्षेत्रवासियों को लेकर आंदोलन भी करेंगे। यहां पर इतना गाडी चल रहा है, पशु मर रहे हैं, आदमी मर रहा है, कुछ नहीं हो रहा है। उन लोगो को 50,000 व 1,00,000 मुआवजा दे रहा है। आदमी की कीमत क्या है इनको मालूम है? बच्चे लोग स्कूल में जा रहे है पढने, वॉशरी के डाईव्हर लोग दारू पीकर गाड़ी चला रहे है। क्या उसका जी बचेगा? इसके लिए हम लोग आंदोलन करेंगे। उग्र आंदोलन करेंगे कि वो बंद हो। ये चेतावनी है आप लोगों को, तालाब व फसल

बर्बाद हो रहा है, जाकर पत्रकार लोग देखे, जितना भी रोड में खेत खलिहान है जो फसल नहीं हो रहा है। अगर यहां वॉशरी खुलेगा तो उग्र आंदोलन करेंगे। बिल्कुल खुलने नहीं देंगे।

30. **श्री कृष्ण कुमार नांरग, ग्राम–बलौदाः–** ये हिन्द कोल वॉशरी खुल रहा है। मेरे पास 25 क्विंटल धान पड़ा हुआ है, ये प्रारूप आप लोगों के पास लाया हूँ न ये मंडी में बिक रहा है न दुकान वाला ले रहा है, और इनको कुटवाने से इनका चांवल काला होता है। ये खाने के लायक नहीं है। बताईये ऐसे मे हम कैसे जीयेंगे। कोल वॉशरी और खोल रहे है तो बताईये क्या होगा। हम पानी के किनारे है तो प्यासे हैं। हमारा धान ब्रिक्री नहीं हो रहो हम कैसे धान चांवल खरीदेंगे। मै कोल वॉशरी का विरोध करता हूं। कोल वॉशरी खोलना है तो गांव की जनता को भगा दो। फिर कोल वॉशरी खोलो। यहां कोई रोजगार नहीं मिलता है। हिन्द कोल वॉशरी जब खड़ा हो रहा था तो मै पूरा लेबर का काम किया हूं। मै जीएम के पास सैकड़ो बार गया। मै बोला मेरे को लेबर में ले लो। हेड आफिस गया हेड आफिस लिखकर दे दिया विचारनीय है। कोई रोजगार नहीं मिलता दोस्तो आज तक रोजगार नहीं मिला। यहां के 5–7 लोग ही है बाकी सब दूसरे प्रदेश से है। 04 माह में यहां 10 गाय की मृत्यु हो गई है। आते–जाते फेंक देते है वो तुरंत खाली कर देते है। वहां पर 10 गाय पडी है 02 गायों को तो मेरे ही खेत में ही डाल दिया गया था। जहां फसल खडी है। मजदूर काम नहीं कर सकते थे। आज भी अस्थी पंजर पड़ी है जा के देख लो। फिर दुबारा कोल वॉशरी खुलवायेंगे तो क्या हाल होगा। ये आप ही जानेंगे। इसलिए कोल वॉशरी में विरोध करने में मदद करो।

31. **श्री दिलहरण लाल दिवाकर, वार्ड नंबर–1, ग्राम–बलौदा – :–** ये कोल वॉशरी सरासर झूठा है। हम लोग 2008 का पूरा प्रारूप रखे हुये है, हम लोगों से वादा करके गये है आज भी आश्वासन देते आ रहे हैं, ये लोग वादा से मुकर जाते हैं वादा करते है और कुछ करते नहीं ये लोग झूठे आश्वासन दे रहे है। हमारे वार्ड नं. 1 से लगा हुआ क्लीन कोल वॉशरी खुला हुआ है। जो 100 फलांग की दूरी पर हैं वहां की जनता, मां–बहने, किसान, खेत को देखो धान को देखो, वहां का धान है शासन प्रशासन से कह रहे है। धान को दुकानदार भी खरीदने इंकार कर रहे है। किसके पास जाये। उस धान को कौन खाये। उसी धान को उसी कर्मचारी को खिलाते तो खा सकेगा क्या? कभी नहीं खाते। हम लोगों को, जनता को कीड़ा–मकौड़ा की तरह समझ रहे है। इनके पास नौकरी मांगने जा रहे है लिखित में दे रहे है। हॉ–हॉ आपका आश्वासन सुनेंगे देखेंगे। जिस दिन से कोल वॉशरी शुरू हुआ। उस दिन से बोलते थे नौकरी देंगे। और आज तक 01 भी व्यक्ति का भर्ती नहीं किया। इस कोल वॉशरी में बिहार, उडीसा, मद्रास, चेन्नई से आदमी लाकर रखे हुये है। वहां के लोग विद्वान है वहां के लोग पढे लिखे है यहां के लोग पढे लिखे नहीं है। बिल्कुल झूठा है जिये तो आप ही जिये हमारी भोले भाली जनता को मत मारिये। आप अपना रोजगार लगा रहे है आप ही का उन्नत होगा। आपके बाल बच्चो का उद्धार हो हमारे बाल बच्चे का उद्धार न हो। ऐसा आप समझ रहे है। आप का उद्धार हो और आप का आर्शीवाद रहे। हम लोग का अनुरोध है ये कोल वॉशरी नहीं खुलना चाहिए नहीं खुलना चाहिए।

32. **श्री राजेन्द्र सिंह कंवर, ग्राम–चारपारा :–** सरकार रोजगार देने को जगह–जगह प्लांट खोलती है। क्या बलौदा विकास खण्ड में सिर्फ कोल वॉशरी ही खोल के लिये आये है। अन्य जगह में नहीं लगा सकते क्या ? सिर्फ कोल वॉशरी उद्योग लगा रहे हैं। कोल वॉशरी की जगह सरकार अन्य प्रकार के उद्योग भी लगा सकती है। सरकार सिर्फ कोल वॉशरी को क्यो बढावा दे रही है। आप सबको सोचने विचार करने का समय है। बछौद, चारपारा, रामपुर, बलौदा, बुडगहन, भेलाई होते हुए तक ट्रक जाते है। यहां 15 गांव पडता है। गांव के बीचो बीच 400 ट्रक चल रहा है और आने वाले समय में 800 ट्रक होगा। 400 खुला ट्रक का धूल तुम लोग खा रहे हो। तुम लोग का जिंदगी बढ रहा है या घट रहा है तुम लोग समझदार हो। मै कोई एक बार में नहीं कह रहा हूं। विकास–विकास बोलते हो। क्या कोल वॉशरी के फैक्टरी

खोलने में विकास हो जायेगा क्या ? विकास करना है तो छोटे–छोटे आद्योगिकीकरण से डेयरी, मुर्गीपालन, गाय पालन करायें, ये सब जनता, किसान को मुहैय कराये। बडे–बडे उद्योगपति को बढ़ावा देकर हमारी जिंदगी को नरक में ले जा रहे है मै 7 बार आवेदन लेकर गया हूं। साहब ये आईटीआई करा है 4000 में नौकरी दे दो। साफ कहा किस पार्टी का है, मैने कहा– मै जनता हूँ, जनता की तरफ से आया हूं। पार्टी का बात करते है और सातों बार मे डराधमका के भगा दिया हैं। साथियो जो एक रोड बना है उसमें खुली गाड़ियां चलने से प्रदूषण हो रहा है जिससे आने वाले समय में, आने वाले पीढ़ी श्वास के द्वारा धूल पेट में जा रहा है, मैं रोड में घुमने आता हूँ तो इतना धूल है कि पुछो मत। हम जनता के लिये पानी नहीं है। दीपका से बलौदा ब्लॉक के बछौद तक जितना गांव है उस गांव में पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, वो लिखित में आज देना होगा। हमारी पहली मांग है पानी की व्यवस्था सुबह–शाम होना चाहिए। दूसरी मांग है युवा बेराजगार पढ़े–लिखे नौजवान लोगों व बाहरी व्यक्ति को छोड कर योग्यता के आधार पर स्थानीय लोगों को नौकरी दें। तीसरी मांग है गांव के मूलभूत सुविधांए – बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, अस्पताल इत्यादि को प्राथमिकता के आधार पर कार्य करें। आपसे अनुरोध है कि हमारे गांव के लोगों के बाल –बच्चों की जिंदगी देखो। हमारे पूर्वजों की जमीन अच्छे दामो में ले चुके हैं। आज की पीढी के लोग पैसा पाये। खा–पी कर खत्म कर दिये। आज हम लोग निठल्ला हो गये। खेत था तो 25 बोरा धान मिलता था। आज वो धान भी हमारे हाथ से गया। कमाने का साधन नही रहा है। शासन–प्रशासन, पर्यावरण विभाग आपसे निवेदन है कि जिसका जमीन गया है उन्हें योग्यता के आधार पर उनके आने वाले समय के लिए रोजगार दे।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जांजगीर–चांपा तथा क्षेत्रीय अधिकारी, बिलासपुर द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अनेक बार अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ तब अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जांजगीर–चांपा द्वारा लोक सुनवाई के दौरान आये विभिन्न मुद्दों के निराकरण हेतु परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित किया गया।

परियोजना प्रस्तावक की ओर से परियोजना प्रतिनिधि **मेसर्स हिन्द एनर्जी एण्ड कोल बेनिफिकेशन (इण्डिया) लिमिटेड, ग्राम–बलौदा, तहसील–बलौदा, जिला–जांजगीर–चांपा** के द्वारा प्रस्तावित कोल वॉशरी परियोजना के सम्बंध में लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये मुख्य मुद्दों के निराकरण हेतु मौखिक रूप से उपस्थित जन समुदाय को अवगत कराया गया। तत्पश्चात् अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में **138** सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्ति प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से प्रस्तावित कोल वॉशरी परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान **32** व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग **400** व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल **104** व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर

अपर कलेक्टर
एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जांजगीर–चांपा